आरे-बीकेसी मेट्रो कॉरिडोर बनकर तैयार, सितंबर तक आ जाएंगे पूरे रैक

सुजीत गुप्ता | मुंबई

मुंबईकरों को दिसंबर 2023 में देश की सबसे लंबी 33.5 किमी कोलाबा-बांद्रा सीप्झ अंडरग्राउंड मेट्रो सेवा के पहले चरण की सौगात मिलेगी। पहले चरण में आरे से बीकेसी के बीच अंडरग्राउंड मेट्रो सेवा शुरू करने की योजना है। मेट्रो सेवा शुरू करने के लिए मेट्रो रैक के आलावा तकनीकी सिस्टम पूरी तरह से तैयार किया जा रहा है। मुंबई मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एमएमआरसीएल) के मुताबिक, पहले चरण को शुरू करने के लिए 9 रैक की आवश्यकता है। इनमें से सात रैक मुंबई पहुंच चुके हैं, जो सारिपूत नगर स्थित अस्थाई कारशेड में रखे गए हैं। यहां रोजाना ट्रायल रन किया जा रहा है। शेष दो रैक सितंबर माह के अंत तक पहुंच जाएंगे। अब तक अंडरग्राउंड मेट्रो का 90 फीसदी से अधिक तकनीकी सिस्टम वर्क तैयार हो चुका है।

9 रैक की आवश्यकता है पहले चरण में

90 % से अधिक तकनीकी सिस्टम वर्क तैयार

2023 के दिसंबर तक शुरू होगा आरे से बीकेसी का पहला चरण

कारशेड के काम को गति

बता दें कि मुंबई में कोलाबा-बांद्रा सीप्झ 33.5 किमी लंबी अंडरग्राउंड मेट्रो-3 के शुरू होने का मुंबईकर बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। ऐसे में एमएमआरसीएल ने मेट्रो सेवा शुरू करने के लिए कारशेड के काम को भी गति दी है। कारशेड में 31 मेट्रो रैक रखने के साथ ही देखभाल और दुरुस्ती का काम होगा। एमएमआरसीएल की योजना आरे कारशेड को दिसंबर तक पूरा करने की है। आंध्र प्रदेश की श्री सिटी में मेट्रो रैक का निर्माण किया जा रहा है।

मेट्रो-3 के पहले चरण का काम 90 फीसदी पूरा हो चुका है। बाकी काम भी युद्धस्तर पर किया जा रहा है। पहले चरण की सेवा शुरू करने के लिए 9 रैक की आवश्यकता है। 7 रैक मुंबई पहुंच चुके हैं। शेष 2 रैक सितंबर तक आना अपेक्षित हैं। दिसंबर 2023 में पहला चरण शुरू करने की हमारी योजना है।
-प्रवक्ता, एमएमआरसीएल

पहले चरण की स्थिति

आरे से बीकेसी के बीच मेट्रो-3 के पहले चरण का करीब 90 फीसदी से अधिक कार्य पूरा चुका है। टनल बनकर तैयार हो चुका है। स्टेशन का निर्माण 95 फीसदी, तकनीकी सिस्टम वर्क 75 फीसदी से अधिक और ट्रैक बिछाने का काम भी पूरा हो चुका है।